

आरती श्री गंगा माँ जी की  
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।  
जो नर तुमको ध्याता, मनवांछति फल पाता ॥  
ॐ जय गंगे माता ।  
चंद्र सी ज्योतिर्तुम्हारी, जल नरिमल आता ।  
शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता ॥  
ॐ जय गंगे माता ।  
पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता ।  
कृपा दृष्टि हो तुम्हारी, तरभिवन सुख दाता ॥  
ॐ जय गंगे माता ।  
एक ही बार जो तेरी, शरण गतिआता ।  
यम की त्रास मटिकर, परमगतिपाता ॥  
ॐ जय गंगे माता ।  
आरतीमातु तुम्हारी, जो नर नति गाता ।  
दास वही सहज में, मुक्तिको पाता ॥  
ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता ।